सही बातें

प्रतिभा

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

प्रतिभा

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
प्रतिभा

विचारों को प्रस्तुत करना
आपकी प्रतिभा पर आधारित है,
अच्छे कामों का विचार
बहुत लोग करते हैं ;
पर प्रतिभावान लोग ही
उन्हें मूर्तरूप दे पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

चिंताओं की जननी
इच्छायें हैं,
जिसने इच्छाओं को रोक दिया है
उसने चिंता को भी
रोक लिया है ;
चिंता को मिटाने का
इससे सुंदर उपाय
मुझे तो नहीं मिला...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

भविष्य की चिंता
वर्तमान को भी
भस्मसात कर देती है,
अच्छे भविष्य के लिये
शान्ति बढ़ाइये;
चिंता नहीं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जन्म से आपको
एक ही चेहरा मिलता है,
पर
अपने स्वभाव से
और
अपनी करतूती से
आप अनेकों चेहरे बना लेते हैं,
शायद इसीलिये
आपको अनेकों बार
जन्म लेना पड़ रहा है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

हसमुख चेहरा
खुशहाल जीवन की पहचान है,
जैसे आपको
अच्छा मौसम सुहावना लगता है;
वैसे ही आपका
हसमुख चेहरा
दूसरों को सुहावना लगता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

पेट से अधिक
मत खाइये
तन बीमार पड़ जायेगा,
सीमा से
अधिक मत बोलिये
मन बीमार पड़ जायेगा
और
भाग्य से अधिक
मत माँगिये
श्रद्धा बीमार पड़ जायेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जितना आप
दंड से डरते हैं
उतना ही
अपमान से भी डरिये,
दंड तो मात्र
देह को पीड़ित करता है ;
अपमान
देह के साथ-साथ
मन को भी पीड़ित करता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जीवन को
उत्तम बनाने के लिये
दो चीज़ों को अपनाइये,
एक तो 'मीठे बोल'
और
दूसरा 'अच्छे लोगों की संगति'...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जाति या कुल का प्रभाव
आपके जीवन में
अवश्य पड़ता है,
अगर
आपको विश्वास न हो
तो इतिहास उठाकर देखिये ;
अधिकतर नीच कर्म
नीच कुल में उत्पन्न
लोगों ने ही किये हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अगर आप
सुख के इच्छुक हैं
तो दुःख से मत डरिये,
क्योंकि
दुःख के बाद ही
सुख के दिन आते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

चाहे चींटी हो या फिर हाथी
सभी की रक्षा करें,
क्योंकि
जितना प्यार
आपको अपने जीवन से है;
उतना ही दूसरों को भी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जीवन का एक पल भी
बेकार न जाने दें,
क्योंकि
करोड़ों का धन देने के बाद भी
बीते पल वापस नहीं आते ;
फिर यादों के सहारे ही
जीवन चलाना पड़ता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

इस जीवन में
जितना आप दूसरों से लेते हैं
उससे अधिक देना सीखें,
जीवन लेने से नहीं
देने से महान बनता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

वृद्धों का जीवन
दुनिया की सबसे कीमती किताब है,
इस किताब में
ज्ञान के साथ - साथ
अनुभव की ऐसी बातें हैं ;
जो कहीं और नहीं मिलती...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जीवन
एक पुष्प की तरह है
जिसकी सुरक्षा
नियम रूपी काँटों से ही हो सकती है,
इसीलिये
नियमरूपी काँटों से
यह जीवन
सदैव घिरा रहना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अगर आपको
निरन्तर आगे बढ़ने की ललक है,
तो ही आप इस जीवन में
कुछ कर दिखा सकते हैं;
अन्यथा
अन्य लोगों की तरह
सामान्य जीवन जीकर
आप भी मर जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जो लोग
हर कदम पर
नई–नई जीत की इच्छा रखते हैं,
वो ही लोग
अपने काम से
अपने नाम को अमर कर पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दूसरों का उपकार करने में
कभी भी पीछे मत हटिये,
ये वो अवसर है
जो आपको ऊँचाइयाँ
और
मित्र देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

उत्पन्न हुये रोग
औषध के द्वारा शान्त हो सकते हैं,
पर
किये गये कर्म
किसी औषध से नहीं मिटते ;
उन्हें तो
भोगना ही पड़ता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

बिना यश का जीवन
केले के वृक्ष की तरह निस्सार है,
जैसे केले के वृक्ष को छीलने पर
कुछ नहीं मिलता,
वैसे ही
बिना यश का जीवन जीने पर
कुछ भी आनंद नहीं मिलता ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

आप व्यस्त तो रहें
परन्तु
त्रस्त कभी न रहें,
व्यस्त रहने से
ज़िंदगी जल्दी निकल जायेगी
और
त्रस्त रहने से
ज़िंदगी भारभूत हो जायेगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

सरलता से प्राप्त चीज़ें
सरलता से गुम जाती हैं
और
कठिनाई से प्राप्त चीज़ें
लम्बे समय तक साथ में रहती हैं,
इसीलिये
सरलता की अपेक्षा
कठिनाइयों से चीज़ों को प्राप्त करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

प्रतिकूलताओं में
क्रोध न करें
शान्त रहें,
क्रोध करने से प्रतिकूलतायें
और प्रतिकूल हो जाती हैं ;
शान्त रहने से
प्रतिकूलतायें भी
अनुकूल हो जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

ज़िंदगी को
बड़े ही आनंद
और
शान्त भाव से जीना चाहिये,
ज़िंदगी
पत्ते पर रखी
ओस की बूँद की तरह हैं ;
न जाने कब सूख जाये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

ज्ञान के बढ़ते ही
अगर आपका
अभिमान भी बढ़ रहा है,
तो आपका ज्ञान
अज्ञान ही है
और
वह आपको
नीचे ही ले जायेगा ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जीवन में
जितना आवश्यक ज्ञान है,
तप भी
उतना ही आवश्यक है ;
तप विहीन ज्ञान
जड़ विहीन वृक्ष की तरह
स्थिर नहीं रह पाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अधूरे ज्ञान की अपेक्षा
अज्ञानी होना ठीक है,
अधूरा वैद्य
रोगों को ठीक नहीं करता
रोगी को ही मार देता है
वैसे ही अधूरा ज्ञानी
दूसरों को ज्ञान-अमृत नहीं
अज्ञान का ज़हर ही देता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

हर किसी को
ज्ञान और अनुभव
पग-पग पर मिलता है,
मगर
यह स्वयं के ऊपर है,
कौन उसे
कितना ग्रहण कर पाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

हमेशा सत्य बोलिये
सत्य बोलने से
मन शुद्ध रहता है
और
ज्ञान-तप प्राप्त कीजिये
ज्ञान और तप से
आत्मा शुद्ध रहता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

काम वासना
और
लोभ का विष
आपके शुभ-भावों को
क्षण भर में अशुभ कर देता है,
इसीलिये
जैसे आप विष से
अपनी रक्षा करते हैं ;
वैसे ही
काम और लोभ से भी
अपनी रक्षा करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

ज्ञान की वृद्धि
अकड़ से नहीं
विनम्रता से होती है,
ध्यान रहे ...
मटका भी तभी भरता है
जब वह नल के नीचे जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जो लोग
प्रतिकूल परिस्थितियों में भी
अनुकूल व्यवहार करते हैं,
वे ही लोग प्रशंसनीय हैं
और
सफलता की ऊँचाइयों को भी
वे ही लोग छू पाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जब तक आपको
किसी के भी दोष दिख रहे हैं,
तब तक समझ लेना
आप भी दोषी ही हैं ;
क्योंकि
बुरे लोगों को सभी लोग
बुरे ही दिखते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

झूठ
दूध में पड़े
नींबू के समान है,
जो थोड़ा सा होने पर भी
जीवन का
विनाश कर सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

झूठे लोगों पर
कोई भी विश्वास नहीं करता,
यहाँ तक कि
उसे स्वयं ही स्वयं पर
विश्वास नहीं रहता ;
इसीलिये
झूठ से छूटें
और
सच से जुड़ें ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दो अर्थों वाले शब्दों का प्रयोग
बहुत सोच समझकर करें,
अगर कोई
सही अर्थ को गलत
अथवा
गलत अर्थ को सही समझ लेगा ;
तो बहुत गलत हो जायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

झूठ कभी मत बोलिये
और अगर
झूठ बोलने से
किसी की जान बचती हो,
तो झूठ बोलने से
कभी मत चूकिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

धोखा
तन पर लगे
तलवार के घाव की तरह है,
धोखे का घाव तो भर जाता है
पर उसका निशान
हमेशा के लिये छूट जाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जब आप सत्य बोलते हैं
तब आपकी बात
एक बार में पूरी हो जाती है,
मगर
झूठ बोलने पर
बार-बार नई-नई
बातें बनाना पड़ती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

ठोकर लगे
तो आदमी जल्दी सीखता है,
अगर
ठोकर लगने पर
दर्द भी हो ;
तो सीखी हुई बात
कभी नहीं भूलता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

पहले के लोग
दूसरों को गिरता देखकर
सीखते थे,
मगर
आज के लोग
इतने ढीठ हो गये हैं,
वे बिना गिरे
सीखते ही नहीं हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

डर
आपके अंदर बैठी
एक ऐसी खोट है,
जो आपको कभी भी
ऊपर उठने नहीं देती ;
हाँ
गिराने में
सहयोग हमेशा करती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

किसी भी समस्या का हल
डरना नहीं
डटना है,
अगर
डर गये तो मर गये,
डट गये तो बुरे दिन कट गये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

प्रकृति कभी भी आपका
बुरा नहीं करती,
आप स्वयं
उसके प्रतिकूल चलकर
अपना अच्छा नहीं होने देते...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

वकील,
डॉक्टर
और
नेता
कभी रिटायर नहीं होते ;
मरते दम तक
वकील और डॉक्टर
प्रेक्टिस करते हैं
और
नेताजी
अपनी नेतागिरी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जब कोई अपने मुँह से
अपनी बढ़ाई कर रहा हो,
तो समझ लीजिये
वो अपने पैरों पर
अपने ही हाथों से
कुल्हाड़ी मार रहा है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दुनिया का
सबसे अच्छा मित्र है
तजुर्बा है
और
सबसे अच्छी सहेली
स्मरण शक्ति है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

ज्ञान बढ़ाने के लिये
चिंता घटाइये
और
ध्यान बढ़ाइये,
ध्यान रहे...
चिंता वह दीमक है
जो आपके ज्ञानमहल को
नष्ट कर देती है
और
ध्यान वह लकड़ी है
जो उस महल को
सुरक्षित रखती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

आपकी बातें तभी प्रभावी होंगी
जब आप उन्हें
स्वयं में उतारकर कहेंगे,
अन्यथा
लोग आपके पीछे यही कहेंगे...
ये तो बस
कहना ही जानते हैं
करना नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अपनी शक्ति
और
योग्यता बढ़ाने के लिये
सहन करना सीखिये,
व्यक्ति का निखार
कष्ट सहने से ही होता है
कष्ट में रोने से नहीं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

आपकी सच्ची पूँजी
आपका ज्ञान
और
चारित्र ही है,
इसीलिये
धन का संचय और रक्षा
बाद में करें,
पहली रक्षा
ज्ञान और चारित्र की करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

धन से सभी चीज़ें
नहीं खरीदी जा सकती हैं,
ध्यान रखना...
प्रीति और मित्रता
स्वभाव से ही खरीदी जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जिस कार्य को करने में
आपका दिमाग तैयार हो
मगर
दिल तैयार न हो
उसे कभी न करें,
ऐसे कार्य
आपको उठायेंगे नहीं ;
अपितु
पतन ही करायेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

कभी भी
किसी का भी
तिरस्कार न करें,
अगर
तिरस्कार दिखाना
जरूरी हो
तो मौन होकर उसकी तरफ देखें ;
मगर
बोलें कुछ भी नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अपनी तृष्णा को
तरुण नहीं वृद्ध बनाइये,
जो अपनी तृष्णा को
तरुण बनाकर रखता है
वह वृद्ध होकर भी तरुण है;
ध्यान रहे–
विश्वास तरुणों पर नहीं
वृद्धों पर होता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

तृष्णा के बढ़ते ही
संग्रह बढ़ जाता है
और
संग्रह के बढ़ते ही
दुःख भी बढ़ जाता है,
इसीलिये
तृष्णा ही दुःख का कारण है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अपने अंदर
संतोष को उत्पन्न करें
आशा को नहीं,
क्योंकि
आशा शत्रु है
और
संतोष परम मित्र है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

त्याग और मौन,
ये दो ऐसी शक्तियाँ हैं
जो पुण्य के साथ-साथ
सम्मान भी बढ़ाती हैं;
इसीलिये
जीवन में त्याग और मौन को
प्रधानता देना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जिन–जिन लोगों को
घर छोड़ने के भाव हों,
उन–उन लोगों को
त्याग से जुड़ जाना चाहिये,
जो त्याग से जुड़ जाता है
वो घर पर नहीं रह पता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

चाहे
कितना ही बड़ा या समझदार आदमी हो
गलतियाँ
हर किसी से हो सकती हैं,
इसीलिये
किसी की भी गलतियाँ को नहीं ;
गुणों को देखें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

मनुष्य कोई भगवान नहीं है
उससे गलतियाँ हो जाना
स्वाभाविक है,
इसीलिये
उन गलतियों को
स्वाभाविक रूप से
भूल जाना ही श्रेष्ठ है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दूसरों की गलतियाँ निकालना
बे-हद सरल है,
मगर
किसी भी काम को
गलतियों के बिना करना
बे-हद कठिन हैं ;
आपको कुछ करना है
तो काम करें
किसी की भी गलतियाँ
न ढूँढ़ें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अच्छे-बुरे निमित्तों का आना
हमारे हाथों में नहीं है,
लेकिन
भावों को अच्छा-बुरा करना
हमारे ही हाथों में है,
निमित्तों से
हमारा बुरा कभी नहीं होता,
हमारे बुरे भावों से ही
हमारा बुरा होता है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

महापुरुषों का
सिर्फ नाम ही न लें,
उनके जैसा आचरण
उनके जैसा विचार भी करें,
जो लोग
नाम लेने के साथ – साथ
महापुरुषों का अनुकरण भी करते हैं
वो ही लोग
महापुरुष बनते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

चिंता
एक ऐसी आँधी है
जो शान्ति रूपी भवन को
तहस-नहस कर देती है,
इसीलिये
शान्ति को बचाये रखने के लिये
चिंता मुक्त हो जाइये
और
चिंता मुक्त होने के लिये
आसक्ति को घटाइये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जब तक आपके पास पुण्य है
तभी तक दुनिया आपके पीछे घूमती है,
पुण्य के जाते ही
पाप आ जाता है
और
पाप के आने पर
दुनिया पीछे हट जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

बिना मान का दान ही
दान है
और
बिना मान का दानी ही
महान है,
क्योंकि
मान के आते ही
शीघ्र ही दान की महिमा
समाप्त हो जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

हमारे अंदर बैठे अपराधों को
रोकने का उपाय
दंड नहीं है,
दंड से तो आप
और भी उद्दंड हो जाते हैं ;
अपने स्वभाव में परिवर्तन लाइये
अपने अपराधों को रोकने का
यही सही उपाय है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दंड सहना सरल है,
परन्तु
अपमान सहना
अत्यन्त कठिन है;
अगर आप किसी को
सुधारना चाहते हैं
तो उसे दंड दें
पर
अपमानित न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अगर आपके द्वारा
किये गये न्याय में
दया नहीं है,
तो वह न्याय नहीं
क्रूरता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जहाँ दया और सरलता है
वहीं धर्म है,
जहाँ धर्म है
वहीं शान्ति है,
इसीलिये
जीवन में शान्ति के लिये
दया और सरलता को
शीघ्र ही स्वीकारिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अगर आप कमज़ोर लोगों पर
दया नहीं करेंगे
तो आपसे ताकतवर लोग भी
आप पर दया नहीं करेंगे,
जैसा आप करेंगे
वैसा ही तो भरेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

नीरस भोजन करना
सरल है,
पर
स्वभाव में नीरसता न होना
बहुत कठिन है;
भोजन चाहे
नीरस करें या सरस
पर
स्वभाव में हमेशा रहें सरस...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जो बाहर से सुंदर हो
वो अंदर से भी सुंदर हो
यह जरूरी नहीं है,
दुनिया में
मन के असुंदर लोग भी
तन के सुंदर देखे जाते हैं;
इसीलिये
दोस्ती
तन देखकर नहीं
मन देखकर करना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

आप जैसा सोचते हैं
वैसा ही करना
प्रारम्भ कर देते हैं,
इसीलिये
जो करना हो
उसी के बारे में सोचिये
आपको सफल होने से
कोई रोक नहीं पायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

धन कमाना
जितना जरूरी है
उतना ही जरूरी
उसका दान भी है ;
क्योंकि
इकट्ठे पानी की तरह
इकट्ठा धन भी
अनुपयोगी हो जाता है ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दवा और दान
तभी असर करते हैं,
जब वे
दबाकर दिये जाते हैं ;
दिखाकर देने से
दोनों का असर कम हो जाता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दान
एक ऐसी दीवार है
जिसे पाप रूपी शत्रु
कभी नहीं लांघ सकते हैं,
जिन्हें भी अपने
आत्ममहल की रक्षा करना हो
उन्हें दान जरूर देना चाहिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जैसे आप
सांस लेना नहीं भूलते,
वैसे ही
दान देना भी मत भूलिये,
साँस लेने से
एक पर्याय की रक्षा होती है
और
दान देने से
अनेक पर्याय की...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

दान से भाग्य बढ़ता है
और
दरिद्रता घटती है,
समय अवश्य लग सकता है
मगर
भाग्य जरूर बढ़ता है ;
यह मेरा अनुभव है
और इतिहास का भी
यही कहना है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अगर आप
कुछ पाने की इच्छा रखते हैं,
तो देना भी सीखें,
क्योंकि
प्रकृति का नियम है
मिलता उसे ही है
जो हर्ष के साथ देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

कुछ लोग
अमीरी और गरीबी को
पैसों से तौलते हैं,
मगर
मेरा मानना है कि
जिसकी जरूरतें
जितनी ज्यादा हैं
वह उतना बड़ा गरीब है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जो लोग
दीनों की मदद करते हैं,
वो लोग
कभी भी दीन नहीं होते हैं,
क्योंकि
बादल कितना भी पानी पी लें;
परन्तु
समुद्र कभी खाली नहीं होता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

सुख की इच्छा ही
सबसे बड़ा दुःख है,
जो सुख की इच्छा को
हरा देता है ;
वो ही दुःखों को जीत पाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जो पैसों से धनी हो
वो बुद्धि से भी धनी हो
यह जरूरी नहीं है,
लेकिन
धन की रक्षा
वो ही धनी कर पाता है
जो बुद्धि का धनी होता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जोखिम
उन्नति के लिये
अवसरों की तरह हैं,
आप
जितने जोखिमों का सामना करेंगे
उतनी उन्नति प्राप्त होगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जीतने के लिये
जीत का इंतज़ार मत कीजिये,
जीतने के लिये
जीत का जुनून जगाइये;
इंतज़ार से जीत नहीं मिलती
बल्कि कई बार
अकर्मण्यता और जग जाती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

अगले जन्म में
तुम्हें वही मिलेगा,
जो तुमने
इस जन्म में चाहा है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

आप एक नहीं
अनंत शक्तियों के भंडार हैं,
मगर
आप उन शक्तियों को
नहीं जानते हैं,
इसलिये
किसी कार्य के प्रारम्भ में
आप सोचते हैं कि
''मैं कर पाऊँगा या नहीं;''
मगर आप
अपने पुण्य को
अपने साहस को
अपनी योग्यता को पहचानिये,
फिर कार्य में लग जाइये
आप सफल जरूर होंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

जब तक आप
संस्कारों की छाँव में हैं
तभी तक आप
सुरक्षित हैं,
संस्कारों की छाँव हटते ही
अवगुणों की धूप
आपको झुलसा देती है;
मैं मानता हूँ
यह काम कठिन है
मगर उत्तम भी यही है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
प्रतिभा

आप जिनके आधीन हैं
उनकी विनय कीजिये,
जो आपके आधीन हैं
उनकी भावना का ध्यान रखिये,
निश्चित मानिये
दोनों के बीच में
कभी भी क्लेश नहीं होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर